भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न सं. *267

20.03.2023 को उत्तर के लिए

हूलोंगपार गिबन अभयारण्य

***267. श्री तपन कुमार गोगोई :**

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या जोरहाट स्थित हूलोंगपार गिबन अभयारण्य, रेल पथ के कारण दो भागों में बंट गया है और क्या यह सच है कि गिबन पेड़ों से कभी भी पृथ्वी पर नहीं उतरते हैं क्योंकि गिबन दो भागों में रहते हैं और वे एकसंगमनी (मोनोगेमस) होते हैं और परिवार की सीमाओं के भीतर सहवास करने में असमर्थ होते हैं और यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ख) क्या सरकार की ऐसी कोई योजना है कि गिबन अभयारण्य के दोनों भागों तक आसानी से पहुंच सकें और कुछ वर्षों में लुप्त होने जा रहे इस दुर्लभ वानर की रक्षा हो सके और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री
(श्री भूपेन्द्र यादव)

(क), (ख) और (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

'हूलोंगपार गिबन अभयारण्य' के संबंध में श्री तपन कुमार गोगोई द्वारा दिनांक 20.03.2023 को उत्तर के लिए पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. *267 के भाग (क), (ख) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) और (ख): असम राज्य से प्राप्त सूचना के अनुसार, जोरहाट में स्थित हूलोंगपार गिबन अभयारण्य से होकर एक रेल पथ गुजरता है। हूलॉक गिबन वृक्षीय प्रजाति हैं और ये पेड़ों पर रहते हैं। तथापि, ऐसे रिकॉर्ड हैं जिनके अनुसार गिबन कभी-कभी पैदल चलते हुए रेल पटरी को पार करते हैं। हूलॉक गिबन एकसंगमनी (मोनोगेमस) होते हैं और परिवार की सीमाओं के भीतर सहवास करने से परहेज करते हैं। असम वन विभाग द्वारा रेल पटरी के दोनों तरफ रेखीय वृक्षारोपण किए गए थे और यह देखा गया था कि गिबन रेल पथ के दोनों तरफ लगाए गए पेड़ों के सहारे रेल पटरियों को पार करते हैं।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा केंद्र-प्रायोजित स्कीम: 'वन्यजीव पर्यावासों का विकास' के तहत हूलोंगपार गिबन अभयारण्य के प्रबंधन, जिसमें हूलॉक गिबनों के आवागमन को सुगम बनाने हेतु वितान पुल की संस्थापना शामिल है, हेतु निधियां स्वीकृत की गई हैं।

(ग): ऊपर (क) और (ख) में दिए गए तथ्यों को ध्यान में रखते हुए प्रश्न नहीं उठता।

******